



NCERT Solutions For Class 8 Sanskrit Part - I Chapter 3

प्रश्न: 1. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत—(निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पद में लिखिए—)

- (क) गणिकायाः नाम किम्?
 (ख) परिव्राजकस्य शिष्यः कः आसीत्?
 (ग) यमदूतः गणिकायाः जीवं कस्य शरीरे निदधाति?
 (घ) परहितनिरता के भवन्तु?

उत्तरम्— (क) वसन्तसेना, (ख) शाण्डिल्यः, (ग) परिव्राजकस्य, (घ) भूतगणाः ।

प्रश्न: 2. सन्धिविच्छेदं कुरुत—(सन्धि-विच्छेद कीजिए—)

| | | |
|--------------|-------|---------|
| यथा— तत्रैव | तत्र | + एव |
| भगवन्नयम् | | + |
| श्वासश्च | | + |
| खल्वकृतज्ञाः | | + |
| सप्तैताः | | + |
| करोतीति | | + |

उत्तरम्— भगवन् + अयम्

श्वासः + च
 खलु + अकृतज्ञाः
 सप्त + एताः
 करोति + इति

प्रश्न: 3. उदाहरणानुसारं अव्ययपदानि चिनुत—(उदाहरण अनुसार अव्यय पदों का चयन कीजिए—)

| | |
|---------------------------------------|-------|
| यथा—राधा अपि नृत्यति। | अपि |
| (क) त्वं कदा गृहं गमिष्यसि। | |
| (ख) अधुना कः समयः। | |
| (ग) महात्मागान्धी सदा सत्यं वदति स्म। | |
| (घ) अहं श्वः विद्यालयं गमिष्यामि। | |
| (ङ) इदानीं त्वं श्लोकं पठ। | |

उत्तरम्— (क) कदा, (ख) अधुना, (ग) सदा, (घ) श्वः, (ङ) इदानीम्।

प्रश्न: 4. अधोलिखितानि कथनानि कः/का कं/कां प्रति कथयति? (निम्नलिखित कथनों को कौन किसके प्रति कहता है?)

| | कः/का | कं/कां प्रति |
|--------------------------------------|-------|--------------|
| (क) मूर्खं वैद्य! अलं परिश्रमेण। | | |
| (ख) कुत्र कुत्र रामलकः। | | |
| (ग) विषवेगाः शतम्। | | |
| (घ) गुलिकाः मया आनीताः। | | |
| (ङ) इदम् उदकम्। | | |
| (च) अरे! प्रत्यागतप्राणः खलु भगवान्। | | |

उत्तरम्— कः/का कं/कां प्रति

| | |
|----------------|-------------|
| (क) गणिका | वैद्यम् |
| (ख) परिव्राजकः | शाण्डिल्यम् |
| (ग) वैद्यः | गणिकाम् |
| (घ) वैद्यः | चेटीम् |
| (ङ) चेटी | वैद्यम् |
| (च) शाण्डिल्यः | परिव्राजकम् |

प्रश्न: 5. विपरीतार्थकाः शब्दाः लेखनीयाः—(विपरीतार्थक शब्द लिखिए—)

| | |
|-------------|-------|
| गुणाः | |
| स्वीकारः | |
| दक्षिणहस्तः | |
| अनन्या | |
| कृतज्ञः | |

उत्तरम्— दोषाः, अस्वीकारः, वामहस्तः, अन्या, कृतघ्नः/अकृतज्ञः।

प्रश्न: 6. अधोलिखितानि पदानि प्रयुज्य वाक्यानि रचयत—(नीचे लिखे पदों का प्रयोग करके वाक्यों की रचना कीजिए—)

गुलिका: —
कुठारिका —
क्षिप्रम् —
यत्नः —
लोके —

उत्तरम्— बालकः गुलिकाः खादति।
मम कुठारिका कुत्र अस्ति?
त्वम् क्षिप्रम् गृहं गच्छ।
तव यत्नः उत्तमः अस्ति।
लोके चन्द्रः सुन्दरः भवति।

प्रश्न: 7. उदाहरणानुसारेण पदनिर्माणं कुरुत—(उदाहरण अनुसार पदों का निर्माण कीजिए—)

| मूलशब्दाः | वचनम् | पदानि |
|----------------|-----------------|----------------|
| यथा— शिल्पिन् | प्रथमा - एकवचने | शिल्पी |
| धनिन् | द्वितीया | -एकवचने |
| ज्ञानिन् | तृतीया - एकवचने | |
| महत्वाकाक्षिन् | द्वितीया | -बहुवचने |
| बहुभाषिन् | तृतीया | -बहुवचने |
| दण्डिन् | द्वितीया | -बहुवचने |

उत्तरम्— पदानि
धनिन्, ज्ञानिन्, महत्वाकाक्षिणः, बहुभाषिभिः, दण्डिनः।

अतिरिक्त-अभ्यासः

(1) नाट्यांश पठत अधोदत्तान् प्रश्नान् च उत्तरत—(नाट्यांश पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—)

वैद्यः — अरे, इयं प्रेतेन आविष्टा।
गणिका — शास्त्रं जानासि?
वैद्यः — अथ किम्?
गणिका — ब्रूहि वैद्यशास्त्रम्।
वैद्यः — शृणोतु भवती।
वातिकाः पैतिकाश्चैव श्लैष्मिकाश्च महाविषाः।
त्रीणि सर्पा भवन्त्येते चतुर्थो नाधिगम्यते॥

I. एकपदेन उत्तरत।

1. कः गुलिकाः आनयति?
2. चेटी किम् आनयति?
3. का प्रेतेन आविष्टा?
4. महाविषाः कति सन्ति?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत।

1. ते महाविषाः के सन्ति?
2. गणिका कथं संन्यासिस्वरेण वदति?

III. भाषिककार्यम्

(क) 'इयं प्रेतेन आविष्टाः इति वाक्ये—

1. 'इयं' स्थाने संज्ञापदं प्रयुज्य वाक्यं पुनः लिखत।
2. प्रेतेन अत्र किं विभक्ति वचनम्?
3. आविष्टा अत्र कः धातुः कः च उपसर्गः?

(ख) भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत—प्रेतेन, सर्पेण, स्वरेण, मया

(ग) सन्धिविच्छेदं कुरुत 1. पैतिकाश्चैव = + च +
2. नाधिगम्यते = +

(घ) पदपरिचयं यच्छत

| | मूलशब्दः | लिङ्गम् | विभक्तिः | वचनम् |
|---------------|----------|---------|----------|-------|
| 1. संन्यासिनः | | | | |

***** END *****